शिवबाबा 1-5-60 (1037) ओमशान्ति बाबा याद है?

बच्चों ने अनुभव कदो से कलम लगत जाती है। बिचारे जो भी यहां आये सभी के फोटो हो। ऐसी जगह हो जहां सभी हो। हर सेन्टर का अलग। इसमें फायदा क्या होता है। बाप जब बैठते हैं बच्चों को याद करते हैं ना। जो सपुत बच्चे सर्विस एबुल हैं उनको जास्ती याद करते हैं। यूं तो सभी बच्चे हैं। उन में जो जास्ती सर्विस करते हैं। जैसे ममा की आत्मा गई। ममा कहने से शरीर पहले याद आता है। फिर समझा जाता है आत्मा चली गई। तुम अनुभव सुनाते हो बाप भी सुनाते हैं। बाप जब आते हैं तो ममा की आत्मा को याद करेंगे। बहुत अच्छी सर्विस करती थी। बहुतों का कल्याण किया। ड्रामा अनुसार उनको शरीर छोड़ना था। जहां भी होंगी वहां अच्छा ही पार्ट बजाती होंगी। जो अच्छे2 सर्विस करते हैं। देहली, देहरादून, कलकत्ता व बम्बई याद आवेंगे। यहां भी बाबा देखते रहते हैं चारो तरफ। इसलिए कत्ती भी लाल नहीं। दिखाई नहीं पड़ता है। बच्चों को देखते हैं। सर्विस एबुल है तो प्यार करते हैं। आत्माओं को प्यार किया जाता है। आत्मा ही अच्छी सर्विस करती है। अच्छे सर्विस करने वाले को दो मिनट जास्ती देखेंगे। बाबा अनुभव सुनाते हैं। लव तो आत्मा है। शरीर का तो नहीं। बाप आत्मा को ही प्यार करते हैं। सर्विस एबुल बच्चों को देखेंगे। उनको श्री कशिश होती। हमारी बाबा को जाकर पकड़ें। परन्तु हुकुम नहीं है। जोर से नहीं खेंचना है। कोई में दैवी गुण नहीं है जो देखेंगे भी नहीं। आत्मा में अवगुण देखा तो ध्यान नहीं देंगे। यह बच्चा अच्छा नहीं है। इन में यह भूत है। फलां आदत खराब है। आदतों को भी देखता हूं। खान-पान चलन। आपे ही सर्विस करते हैं, कहने से करते हैं। बाप तो सभी देखते हैं। बाप कायदा है बच्चों को देखना। प्यार करना। प्यार भी कट को उतारते हैं। कशिश होती है ना। मजा आता है। एक एक फूल को देखते हैं। बगीचे में जाते हैं तो एक एक फूल को देख खुश होंगे। महिमा की जाती है। यह भी बाबा का बगीचा है। जो सर्विस करते हैं। ब्राह्मणियों से भी पूछता हूं यह सर्विस कर सकते हैं। दिल होगी देखने। निहाल तो होंगा ना। नजर से निहाल स्वामी। अभी तुम बच्चे समझते हो निहाल करने वाला एक ही बाप है। गति सदगति को ही निहाल कहा जाता है। हरेक बात समझाई जाती है। नहीं तो तुम क्या जानो बीज और झाड़ से। कितने ढेर के ढेर शास्त्र आदि हैं। समझते हैं भक्ति मार्ग फास्ट हो गया। अभी बच्चों को बाप से वर्सा लेना है। बच्चों को बाप कहते हैं देवीगुण धारण करो। यहां झूठ बोलेंगे तो वह बहुत बड़ी दरबार है। वहां से कोई छूट न सके। यहां तो सच्च भी पकड़ जाते हैं। कोई 2 पाप किये भी छूट जाते हैं। झूठी जजमेन्ट दे देते हैं। नम्बरवार तो है ना। कोई ऐसा काम करता है तो कहेंगे तुम तो हजाम हो। अकल नहीं है। फांसी भी देते हैं। फिर कोई होशियार तीखा बैरिस्टर निकलता है छुड़ा देते हैं। तो उस जज को हजाम कहेंगे ना। अपील परछेड़ किया तो उनको जट कहेंगे ना। अपील न करे तो नुकसान हो गया ना। बैरिस्टर देखता है बिचारा गरीब है इनोसेन्ट है। बोला मैं इनकी वकालत देता हूं। छुड़ा दिया। उनको पक्का बच्चा बना कर खिलाते हैं। बैरिस्टर बना दिया। दुनिया में झूठ तो बहुत ना। जो सच्चे होंगे पकड़े। झूठे छूट जाते हैं। अंधेर नगरी है ना। सभी को श्री श्री कह देते हैं। हिन्दु मुसलमान सभी श्री। तो अंधेर नगरी हुई ना। फिर कण कण पत्थर2 को भी श्री कहेंगे। माया बुधि को ताला लगा देती है। जो न समझ सके। बेहद का बाप बाप भी है टीचर भी है सदगुरु भी है। कम से कम पढ़ाने वाले को तो याद करो। फिर भी कहते हैं बाबा भूल जाते हैं। अच्छा टीचर को याद करो सक्गुरु को याद करो। गायन भी है तुम्हारी हो माता... ज्ञान का सागर अर्थात टीचर ठहरे ना। वह जैसे है भक्ति के सागर। मैं हूं ज्ञान का सागर। भक्ति है तो ज्ञान नहीं। मनुष्य में ज्ञान होता ही नहीं। मनुष्यों की है भक्ति। यह भी समझाया है अभी हम ब्राह्मण हैं। फिर देवता बनेंगे। बाबा को याद करते रहेंगे तो तुम्हारी आत्मा सतोप्रधान बन जावेगी। ब्राह्मण अभी सीढ़ी चढ़ना शुरू करते हैं। चढ़ती कला ब्राह्मणों की होती है। जोर पुरुषार्थ करते हैं। तुम्हारे में भी नम्बरवार हैं। बाप को याद करो तो सतो सतोप्रधान बनजावेंगे। ख्याल रखो हम क्या पद पावेंगे। उस पर है पुरुषार्थ। दैवी गुण से

ण करना है। आप समान बनाना है। अन्दर बाहर सच्चा रहना है। झूठ तो बोलना ही नहीं चाहिए नहीं तो पद भ्रष्ट हो जावेंगे। तब बाबा कहते हैं अपनी जांच करो। विकर्म तो नहीं किया। नहींतो अपने तकदीर फूटा। बापकहते हैंरजिस्टर रखो तुम्हारा बहुत कल्याण होगा। स्कूल में भीरजिस्टर रखते हैं ना। रोजाने हाजरी भी होती है। मुरली तो मिल सकती है। समझना चाहिए मुरली पर खर्चा भी होता है। जो तुम बच्चे देते हो तब बाबा खर्चा करते हैं। यह है ट्रस्टी। तुम बच्चों से ही खर्चा मैं लगाते हैं। शिव बाबाक्या करेंगे। पैसे तो देह-धारियों को चाहिए। भक्ति-मार्ग में ईश्वर अर्थ करते हैं तो अच्छा फल निकले। इनडायरेक्ट करते हैं। परन्तु पाप तन से थोड़े ही कटते हैं। फिर भी पतित पावन कोयाद करते हैं। धन देनेसे पावन थोड़े ही बनेंगे। तुम पावन बनेंगे योगबल से। अभी है एक जन्म का 2। जन्म लिए। ईश्वरीय शिव बाबाके बैंक ब्रे× में तुम्हारा जन्म-जन्मान्तर का जमा होता है। शिव बाबा भण्डारा है ना।

बाप आते हैं कबअपकार नहीं करते हैं। सभी कहते हैं मुक्ति जीवन मुक्ति चाहिए। तो उपकार करते हैं ना। बच्चों को भी समझाते रहते हैं सभी पर उपकार करो। बोलो बाप कहते हैं मुझे याद करोतो तुम्हारे विकर्म विनाश हो जावें। भारत का शास्त्रगीता है। कमसे कम इनको तो मानदेना चाहिए ना। अभी तुम समझते हो भक्ति मार्ग मानादुर्गति मार्ग है। तुमको कहते हैं इस से भगवान मिलता है। है कुछभी नहीं। तुम बच्चे जानते हो शिव बाबा को याद करने से स्वर्ग का वर्सा मिलेगा। यह भीलिखना चाहिए। यह अच्छी बनाई है। देखने से ही झटयादआतेहैं* शिव बाबा की। शिव बाबा याद है? जिससे स्वर्ग की बादशाही मिलेगी। नीचे *************** यह भीलिखना चाहिए। बहुत बना कर ढेर बाबा के पास भेज देनी चाहिए। बाबा फिर दे देंगे। यह उठा कर ले जाओ। आपे ही हम गंगा लेंगे। धनी बैठा है ना। बच्चों पर लव है ना। जाकर सर्विस करेंगे तो बच्चों को दिल खुशी होती है। मेहनत करते हैं। घर में दूसरा कोई नहीं है। यह लिखत भी देखनेसे झट सावधान हो जावेंगे। शिव बाबा याद है? एक दो को सावधान किया जाता है ना। और कोई नहीं है तो यह भी सावधान करेंगे। किसको तुम समझावेंगे किस काम के लिए हम यह बनाते हैं, बहुतों का कल्याण होगा। झट ढेरदेंगे ले जाओ। बाबा जानते हैं बच्चों को माया भूला देती है। इसलिए कदम2 पर यह रहना अच्छा है। बैज भीलगारहे।

इस समय दो चार म्युजियम अक्रे× इकट्ठे खुल रहे हैं। पहली तारीख से मुहूर्त करते हैं* म्युजियम का। तो कोई भी कुमारी वा माता सर्विस लिए जा सकती है तो नाम लिख दे। फलाने तारीख से फलाने समय तक हम जा सकती हैं। मेल भी नम्बरवार सकते हैं। फिर जो पास करेंगे उनको बुला लेंगे। बच्चों को अपना नाम भेज देना चाहिए। अपलाई करनाचाहिए। अभी खास बाबाकहते हैं। मद्रास, आगरा, पटना में म्युजियम खुल रही है, शायद अहमदाबाद में भी खुल जावे। बम्बई में भी गुड का सेन्टर म्युजियम होगा। धमाका होगा तो बहुत आकरदेखेंगे। कोई को तीर लग जावेगा। तुम बच्चे हो देहद के बाप का प्रेम× परिचय देते हो। धनीका बना सकते हो और तो कोइ दुनिया में है ही नहीं। सफेद ड्रेस भी हरेक के पास हो। कहां भी बुलावा हो तो सफेद ड्रेस साथ ले जाओ। सफेद ड्रेस स्वच्छ होते हैं। अच्छा। बच्चों को गुडनाईट।

बापसम्मुख कहते हैं यह सभी कुछ दे दो। फिर डायरेक्ट देंगे। ट्रस्टी होकर सम्भालो। कोई में मोह न रखना। कोई तो बन्दरियां हैं ऐसी है मोह टूटता ही नहीं। लोभ भी बड़ा तंग करता है। समझते नहीं लोभ किसको कहा जाता है। पहला नम्बर है देह अभिमान। वही बड़ी मुसीबत है। फिर है काम क्रोध। बाप कहते हैं देही अभिमानी बनो। नामरूप याद न रहे। हम सभी भाई हैं। भाई समझ ज्ञान दो। यहमेहनत की बात है। इसमें माया का अपोजीशन भी बहुत होता है। देही अभिमानी बनना बहुत मेहनत है। अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो। यह हीभूल जाते हैं। अच्छा ओम